

मुन्तखब अहादीस नबवी (स.अ.व.)

संख्या	अर्थात्	अर्थात्	अर्थात्
०	तमाम कामों का दारो मदार नियतो पर मौकूफ है।	इन.मल आगातु यिनिय्यात ।	إِنَّمَا الْأَعْمَالُ بِالنِّيَّاتِ (بخاری)
१	सुबह के वक़्त का सोना रिज़्क को रोकता है।	नौवमस सुब.हति यम.न.उर रिज़्क ।	تَوَمُّ الصُّبْحَةِ يَمْنَعُ الرِّزْقَ (مسند)
२	बात करने से पहले सलाम करो।	अस्सलामु कय.लल क.लाम ।	السَّلَامُ قَبْلَ الْكَلَامِ (ترمذی)
३	पाकी आधा ईमान है।	अतुहूरु शतरूल ईमान ।	الطُّهُورُ شَطْرُ الْإِيمَانِ (مسند)
४	सबर आधा ईमान है।	अस्सबरु निस्फुल ईमान ।	الصَّبْرُ نِصْفُ الْإِيمَانِ (احیاء)
५	वज्र नमाज़ की कुन्जी है।	अल-वुज़्र.उ.मिफताहुस्सलाह ।	أَلَوْ ضَوْءٌ مِفْتَاحُ الصَّلَاةِ (ریلی)
६	पाकी नमाज़ की कुन्जी है।	मिफताहुस्सलाति अत-तुहूर ।	مِفْتَاحُ الصَّلَاةِ الطُّهُورُ (ابوداؤد)
७	नमाज़ दोन का सुतून है।	अस्स.लातु इमादुद्दीन ।	الصَّلَاةُ عِمَادُ الدِّينِ (موطا)
८	नमाज़ मोमिन के लिए नूर है।	अस्सलातु नूरुल मुअ-मिन ।	الصَّلَاةُ نُورٌ لِلْمُؤْمِنِ (ابن ماجه)
९	दुआ इबादत का मज्ज है।	अहुआँ.उ.मुखबुल इबादह ।	الدُّعَاءُ مَجُّ الْعِبَادَةِ (ترمذی)
१०	दुआ मोमिन का हथियार है।	अहुआँउ सिलाहुल मुअमिन ।	الدُّعَاءُ سِلَاحُ الْمُؤْمِنِ (حاکم)
११	(हर एक से) अच्छा गुमान रखना बेहतरीन इबादत है।	हुस्नुज्जुनि मिन हुसनिह इबादह ।	حُسْنُ الظَّنِّ مِنْ حُسْنِ الْعِبَادَةِ (ابوداؤد)
१२	कुरआन की तिलावत बेहतरीन इबादत है।	अफ.जुलुल इबादति किरों.अ.तुल कुरआन ।	أَفْضَلُ الْعِبَادَةِ قِرَاءَةُ الْقُرْآنِ (ترمذی)
१३	रोटी की इज़्जत करो।	अकरिमुल खुब्ज़ ।	اَكْرَمُوا الْخُبْزَ (حاکم)
१४	बाज़ार में खाना हलकेपन की निशानी है।	अलअकतु फिस-सूकि दर्नाअह ।	أَلَا كُلُّ فِي السُّوقِ ذَنَاءَةٌ (ریلی)
१५	पानी देख कर पिया करो।	इशारबुल मॉ.अ.आयु नकुम ।	إِشْرَبُوا الْمَاءَ أَعْيُنَكُمْ (مسلم)
१६	इल्म का हसिल करना हर मुसलमान मर्द और औरत पर (फरज़) है।	व त बुल इल्मि फरैय्दतु अला कुल्लि मुस्लिमि व मुस्लिमाह ।	طَلِبُ الْعِلْمِ فَرِيضَةٌ عَلَى كُلِّ مُسْلِمٍ وَمُسْلِمَةٍ (مسلم)
१७	हया ईमान का जुज्व है।	अल-हय्याँ.उ.मिनल ईमान ।	الْحَيَاءُ مِنَ الْإِيمَانِ (ترمذی)
१८	सादगी ईमान का जुज्व है।	अल-बजाजुतु मिनल ईमान ।	الْبَدَأَةُ مِنَ الْإِيمَانِ (ابوداؤد)
१९	साफ-सुधरे रहो क्योंकि इस्लाम साफ-सुधरा मज़हब है।	तनज़्ज़फू फ.इन्नाल इस्लाम नबीफ ।	تَنْظِفُوا فَإِنَّ الْإِسْلَامَ نَظِيفٌ (ابن ماجه)
२०	माँ के कदमों के नीचे जन्नत है।	अल-जन्नतु तहत.त अकदामिल उम्माहात ।	الْجَنَّةُ تَحْتَ أَقْدَامِ الْأُمَّهَاتِ (مسلم)
२१	बाप जन्नत के दरवाज़ों में बीच का दरवाज़ा है।	अल-वालदु औव.सतु अबवाबिल जन्नह ।	أَبْوَابُ الْجَنَّةِ أَوْسَطُ أَبْوَابِ الْجَنَّةِ (مسند)
२२	चचा का मरतबा बाप के बराबर है। खाला का मरतबा माँ के बराबर है।	अल-अम्मु वालिदुन अल-खालतु वालिदह ।	الْعَمُّ وَالِدُ الْخَالَةِ وَالِدَةُ (ابن سعد)
२३	पड़ोसी का भी हक है।	लिल-जारि हक्कुन ।	لِلجَارِ حَقٌّ (ریلی)
२४	नज़र का लग जाना सच है।	अल-अयनु हक्कुन ।	أَلْعَيْنُ حَقٌّ (بخاری)
२५	जो हमें धोका दे वह हम में से नहीं है।	मन गरशाना फलैय.स मिन्ना ।	مَنْ غَشَانَا فَلَيْسَ مِنَّا (مسلم)
२६	जिस ने लूट-मार की वो हम में से नहीं।	मनिन त.ह.व फ.लैय.स मिन्ना ।	مَنْ انْتَهَبَ فَلَيْسَ مِنَّا (ترمذی)
२७	जो बड़ों की इज़्जत नहीं करता वो हम में से नहीं।	फलैय.स-मिन्ना मल्लम युवकिर कबी-रना ।	فَلَيْسَ مِنَّا مَنْ لَمْ يُوقِّرْ كِبِيرَنَا (طبرانی)
२८	खड़े हो कर पेशाब ना करो।	ला तबुल का ईमा ।	لَا تَبُلْ قَائِمًا (ترمذی)
२९	मोमिन की नियत उस के अमल से बेहतर है।	निययतुल मुअ मिनि खैयरूम मिन अ मलिही ।	نِيَّةُ الْمُؤْمِنِ خَيْرٌ مِنْ عَمَلِهِ (بیہقی)
३०	नरदों को बरा-भला मत कहो।	ला तसुब्बुल अम.वीत ।	لَا تَسُبُّوا الْأَمْوَاتَ (مسلم)